राजा मालसाई विनोद

(कुमाऊँ कविता मे)

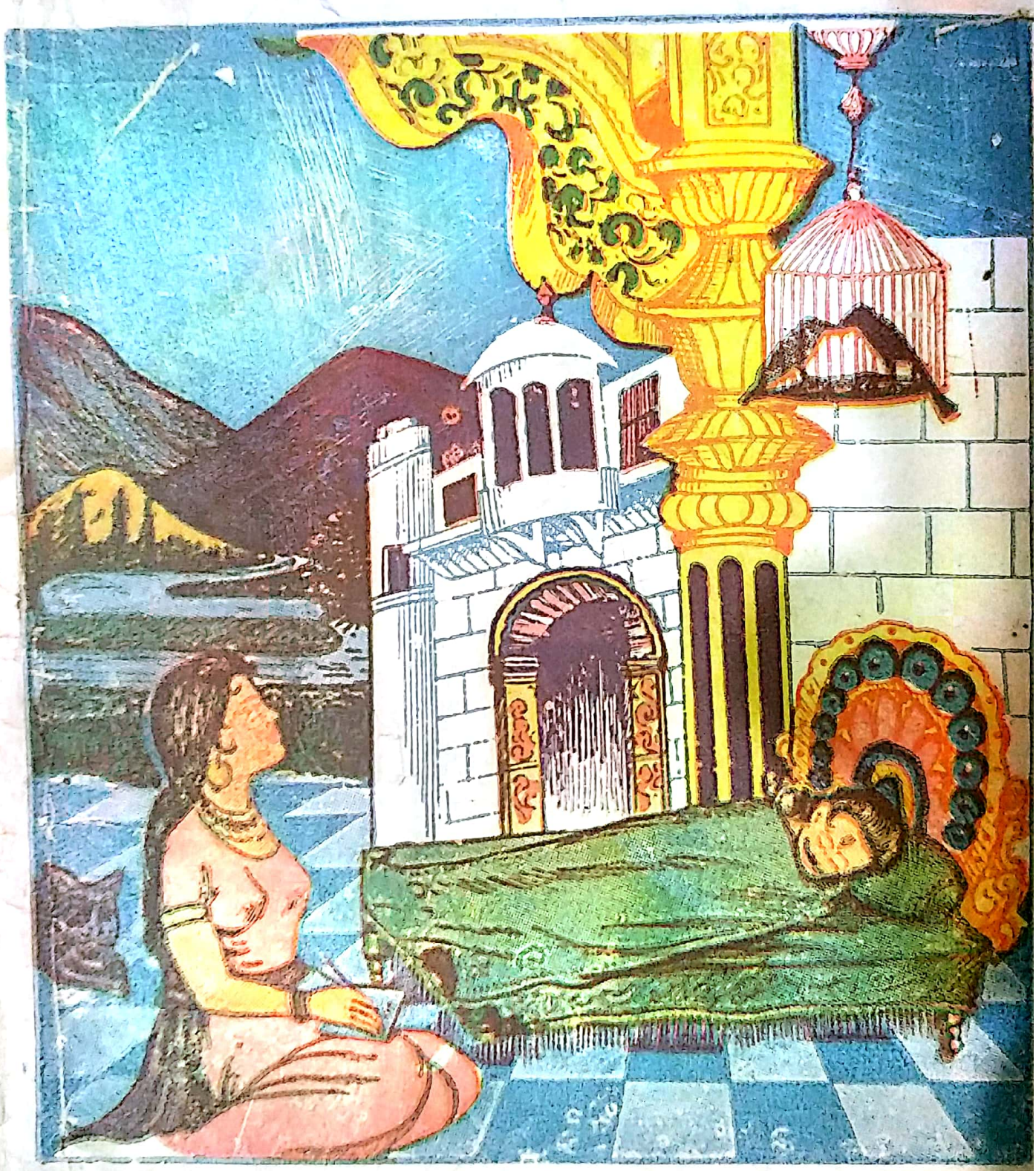

ठा० आनसिंह हरिसिंह एण्ड सन्स

लाला बाजार, अल्मोड़ा (उ० प्र०) मूल्य 15/-

Scanned by CamScanner

राजा मालसाई विनोद

(कुमाऊँनी भाषा में)

लेखक :
बागगिरी गोस्वामी

प्रकाशक :
डा० आनन्द सिंह हरी सिंह एन्ड सन्स
प्रकाशक एवं पुस्तक विक्रेता तथ डैशनर्स
लाला बाजार अल्मोड़ा [उ० प्र०]

सर्वाधिकार प्रकाशक के आधीन है।

एकादश बार २०००] मई १९८२ [मूल्य २.५

Scanned by CamScanner

राजा मान्नसाहे विनोद

पंच नामा देवा तुम, है जया दयाल।
गरीब पुकार पर, करी दिया, स्वाद ॥
विष्णु भगवाना मेरी, सुणिया पुकार।
हाथ जोड़ी अर्ज करनू तुमरा दरबार ॥
ब्रह्मा जी महेश गौरा, मेरी नमस्कार।
शीश नवे हाथ जोड़ी, करनू पुकार ॥
गनेश जी विनती कुनू, हाथ जोड़ी वेर।
विघ्न दूर करि दिया तुमरी मेहरा ॥
हिरदया सुमरण, सरस्वती माई।
तमाम विघ्नू कर्णि, तुम दिया ठाई ॥
तुमरा भरस पर, कलमा उठानू
राजा मान्नसाई की मैं वरणन करनू
जो कुछ गलतिया हुवी, माफ करी दियो।
मूरख अज्ञान कर्णा, बाट बने दिया

नौ लाखा कत्यूरू कौ मैं, करनू सुमरणा ।
जतु देवा साथ छिया, सबू कौ सरणा ।।
श्री बागनाथा मेरी, धरि दिया टैरा ।
हरिद्वार सुमरण, ध्यान धरि बेरा ।।
जतुक नमान देव, हाथ जोड़ी ध्यान ।
दयाल है जया तुम, देवता नमान ।।
धन धन प्रभु तुम, धन धन माया ।
कतु कुलै जन्म लिया, कतू मरी गया ।।
पैली बटि चली आया, कुम्भ हरिद्वार ।
अस्नान कण आंछौ सारै सनसारा ।।
हरिद्वार नाण आय, सुनपत सौक ।
गांउली की साथ मजा, कुम्भ कौछी मौका ।।
भोटौ कौ मुलुक वीक, भोटान्त कौ देश ।
अस्नान कण आय, हमरा लै देश ।।
हरिद्वार महिमा कैं, आपारा बतानी ।
ईश्वरा भगवाना जवा, दयाल है जानी ।।
विदेशी मुलुक आय, सजी धजी बेरा ।
गांउली सिगार देखी, क्या कनू कै बेरा ।।
गज कौ घम्यल वीक, पशमीण शाल ।
भोटमा बतानी भाई, भौत धन माल ।।

हु
के
उक
एन्ड
अल्म
पर
कोई
डिजा
छापने
हुर्ज ख

मखमल कपड़ छै, फन्द रेशम का ।
सिर में बिन्दुली वीकी, चुड़िया सुनका ।।
नाक में बुलांग वीकी, बुन्दा कानो परा ।
छातीमा जंजीर छाजी गला मजा हारा ।।
दशा लैं उंगली मजी, बीस छे मुनड़ी ।
पुन्यों कसी जून हैरै गांऊली मुखड़ी ।।
सुतली धागुली सबा माँगमा सिन्दूरा ।
सुनका पौजिया हैला सब भरपूरा ।।
सुनकी नथुली मज गीती छ जड़ीया ।
जतुक जेवर हय, सब लै बढ़ीया ।।
सबा आभूषण पैरी कपड़ा बढ़ीया ।
इकलै व बैठी रयी निछा दबड़िया ।।
गाँऊली मुरत देखी सब तरसनी ।
धन धन यो तिरिया मन मनै कनी ।।
गांउली सिगार देखी दिल धड़ कूछा ।
जाकी लैं नजर लागी देखियै रै जांछा ।।
धन धन तू तिरिया धन त्यर भाग ।
धन धना इज बाज्यू, धन छा सुहाग ।।
गांउली मूरत कणी ऐसो लै बनानी ।
ज्याणी कसी हलजी ऊ समझ निआनी ।।

Scanned by CamScanner

रूप रंग वीक भला, जलै कर दाना ।
जा जसा करमा कील, वीक अनुमाना ।

इनै दिनों गिवाड़ा में, कत्यूर लै रजा ।
इनै दिनों सिलोर में, कत्यूरा लै रजा ॥

खाती ज्यू की चेली हयी, धर्मा देवी नाम ।
आज तक चलि रीछा, दुनियां में नाम ॥

खाती ज्यू लै धर्मा व्यहै, धर्म देव कणी ।
ईश्वरा का हाथ हयी, सबता करणी ॥

अब तुम अधीला का सुणीया बयान ।
दयाल है जया तुम, ईश्वरा भगवान ॥

श्री चन्द्रा रजी तवा, भरमाली कोटा ।
सब दुःख दूर हैजो, करमका खोटा ॥

नामी नामी राजा हैरै, ठुला कारो बार ।
आपण इलाक मजा, है रयी जिहार ॥

अब भ्रण नाण आया; कुम्भ हरिद्वार ।
सैण आया साथ मजा, खुशी छै अपार ।

भरमाली कोटा बटी, श्री चन्द्र जवा ।
घर बटी हरिद्वार बट्टा लागा तवा ॥

सीधी रास्ता मजा हैगे, भेटा दीनू कणी ।
स्यी सलामा हैई गेछा, भेटणी बाटणी ॥

द्विया रजा बटा पनां, ऐसी कनी बाता ।
हरिद्वार तक हय, यो हमर साता ॥

राजी खुशी पुजी गयी, हरिद्वार जवा ।
सुनपता सीका उती, बैठो रीछा तवा ॥

गांउली में लागी गेछा, द्विनों की नजरा ।
बिगड़ी गे होश तवा, ऐगोछा चक्कर ॥

जरा देर मजा तवा, सचेता है जानी ।
द्विया भ्रण आपसा में, ऐसी बात कनी ॥

पागल है गोय हमा, देखी इनी गाता ।
कैकियो तिरिया हली, क्या हनीला जाता ॥

कसीता करनू भाई इनी हणी बाता ।
को इनी मुलुक हल, कती हली बाता ॥

कसीका सूरत हई, कसी छा भागीणी ।
मितरामी हई जानी, इनाका डो ॥

इनोकी औलाद हली, सूरज समाना ।
दयाल है जया तुम, ईश्वर भगवाना ॥

इनीकी यो चेली हनी, हम व्यहै ल्याना ।
ईश्वर भगवान तब, दयाल है जना ॥

क्यों कसी जून हई, इनी की मूरत ।
कतीं बटी उड़ी आयी, मोहनी सूरत ॥

Scanned by CamScanner

दिया भूणा नसो गयी, सुनपतै पासा ।
मितरामी कुल कवै करी रैछा आशा ।
सुनपत सौक हणि, ऐसी कनो बाता ।
क्य तुमरो नामा भैया, क्या तुमरो जाता ॥
कतू दूर बटी आया, नाणा हरिद्वार ।
को तुमर देश हल, क्या करछा कारा ॥
सुनपत सौक कोंछा, सुण मेरी बाता ।
भोटक मुलुक म्यर, सौक मेरी जाता ॥
गाँउली सौक्याण मेरी, सुनपत नामा ।
भोटान्तका देश मजा लदानक कामा ॥
औलाद कारण आयु, नाण हरिद्वार ।
घरा कणी हमर छा, भारी कारो बारा ॥
ज्या करीला हरीद्वार, हरी ज्यू भेहरा ।
ईश्वर भगवाना जवा, धरी दिला टेरा ॥
अब तुम बतै दिया, पतौ लै अपणौ ।
क्या करछा कामा तुम, सब बतै दिणौ ॥
श्री चन्द्रा रजा कनी, प्योला मेरी राणी ।
बटा पना भेट है गे, खाती ज्यू दगड़ी ॥
उनकी य राणी हली, सिलोर का रजा ।
श्री चन्द्र नाम म्यर, करनू अरजा ॥

भर माली कोटा म्यर, पछौंक मुलुक ।
कारा बारा बड़ो भारी बैराठा ईलाक ॥
हम लग आई रयू औलाद कारण ।
मितरामी करी ल्युला करी कै परण ॥
ऐसी बाता हुयी रैछा आपसा लै मजा ।
सुनपता सौका तवा कुछ अरजा ॥
सुनपता सौक कोंछा ठीक कैछी बाता ।
मितराती केकी कुला केकी न औलादा ॥
कैका लग नीता हया आजी नना तीना
जुमानता कर ल्याला ज्यौं हल पछिना ॥
एती बटी हुइ जाली हमारी जुमाना ।
दयाल है जैला जवा ईश्वरा भगवान ॥
असनान करी बटी सब घर गया ।
हरीद्वार बटी आया मित्रामी कै गया ॥
सुनपत भोट हणी बटा लागी गोय ।
तवा बिक दिल मजा ख्याल आई गोय ॥
जुमानता करी आयु पछयु दगड़ी ।
जब हुई जाली गंगा हमारी चेहेड़ी ॥
कसोका रहली गंगा मुलुक पछौंका ।
उनिको मुखड़ि हम देखुला कसोका ॥

Scanned by CamScanner

धौं देखड़ो हलो गंगा बारा लै त्यौहारा ।
मुनपता कणी हैगे चेली की फिकरा ॥
बड़े अफसोचा हय अब आयो ज्ञाना ।
राता दिन पुकारू छा ईश्वरा भगवाना ॥
सोचू मजा याद कुछ श्री बागनाथा ।
अरज करूछ तवा जोड़ी बेरा हाथा ॥
जसा कला ज्य करला हरी भगवाना ।
आज प्रभु तुम म्यर धरि दिया माना ॥
म्यर ता सौंरासी हया सैणी का मैतूवा ।
जोता नान हैंल आवा विक मकोटिया ॥
ज्य करला बागनाथा च्यल है जो च्यल ।
ठुल हुई जाल जब पुज तनै ब्यला ॥
धरि दिया आज तुम मेरी पति कणि ।
रात दिन च्यलैं की लै फिकर मकणी ॥
च्यल है जो च्यल म्यर श्री बागनाथा ।
अरज करनू स्वामी जोड़ी बेर हाथा ॥
होनहार हैवै रैछा भगवाना हाता ।
आधिलै को तुम आवा सुणि लियो बाता ॥
थोड़ा [illegible] मजा [illegible] री जी मेहर ।
गांउली की [illegible] हरी सुनपत घर ॥

धरमा दे कणी जब दसो मास लैंगो ।
धामद्यो की बैराठ में पैली च्यल हैगो ॥
बाद मजा गांउली की हई गेछा चेला ।
मन मन सुनपत तवा गोछा जली ॥
क्य हणी तु चेहेड़ो लै यां लिया जनमा ।
हरीद्वार मजा मैंलै जो खाई कसमा ॥
विक परसादा लागो विक लागो भेद ।
नीत जानों हरिद्वार नि हनो यो खेद ॥
निजानों हरद्वार जबा तू चेली निहानी ।
गाई ढाई देयी बेरा चेली हैंता कनी ॥
क्यलका जनम चेली तू हमरा घर ।
तू चेलिनी हनी जब नि हनी फिकरा ॥
जुमान में करी रैछा पछो दश हणि ।
ह्य तेरी सूरता आब धौ हली देखणि ॥
तेरी मुखड़ी चेली धौ हलो देखणी ।
कसी का व्यहुंला चेली पछाड़ तकणी ॥

अबा तुम सुणी लियो आधीलै की बात ।
हरिद्वारा मजा हैगी खाती ज्यू की बाता ॥

Scanned by CamScanner

बुढ़ापी उमरा हयी नन ता नी हया ।
ईश्वरा भगवान तुम दयाल है जया ॥
खाती जी की पैली चेली धर्मा देवी नामा ।
वचन निभाण मजा आयी गई कामा ॥
जिया की वैराठी मजा नौ लाखा कत्यूरा ।
धर्मा च्यल मालासाई दुनियां मसूरा ॥
जै बख्त वैराठा में मालसाई हय ।
सुनक डांकुवां जसी धर्मा च्यल हय ॥
कमलक फूल जस धोई कस फाटा ।
सूरज उदया हैरो रंगोली वैराठा ॥
रंगोली वैराठा मजा मालसाई नामा ।
हे नाथा सुफल हैग भगवाना रामा ॥
कुछ दिनों बाद भाई सुनपता घरा ।
राजुली जनम हैगो है रैछ फिकरा ॥
सुणी लियो भाई लोगो राजुलै की बाता ।
रातक लैं दिन हैरी राजुला परसाता ॥
सुनपत सौक तवा ऐसी कुछ बाता ।
च्यलुक तरफ वटी पड़ी गेछ राता ॥
चेली लै वनम लिवै कस दुख दिया ।
विलापा करूछा कौक भरी आय हियां ॥

एसी जनमा चेली हिरदै कौं कानी ।
दुःख सुख कंको कैला कसीक निजानो ॥
मुखड़ोक तप हैरो पुन्या कसी जूना ।
पाईङ्क की आंठी जसी पिरु कसी बुना ॥
सुनपत सौक कणी हई गे फिकरा ।
इथां उथां कण लाग राजुला जिगरा ॥
जहां यौं हमरि चेली उनू लै लिजाणी ।
तहां कथें करी द्युला मांगड़ी जांगड़ी ॥
सगाई है जाली जबा पर्या बाना कैला ।
मंगिया पै चेली कणी क्य हणी लीजैला ॥
मिटी जाल म्यर कान दिल की फिकरा ।
पंछ्यू है वेरा मैता है जौला निडरा ॥
एक चेली हई गंगा बुडापी उमरा ।
दुख सुख मजा लेली हमरी खबरा ॥
नजीका ब्यबौला त्यकै मुलक अपण ।
सुनपत जाँछ तब बर लै खोजण ॥
मेरी नानी हई रैछी आजो छा नादाना ।
रूप मेरी राजू लक देखिका सामाना ॥
मारै ढुढी हाचा तवा भोटियक देश ।
आपण मुलक द्यख हूंणीयोंक देश ॥

Scanned by CamScanner

कथै लै निलागी कुछा ब्याऊ की जुगुती ।
राजुला कारण मैंले की लै भुगुति ॥
क्वे बतानी चेली खोटी क्वे बतानी मैंती ।
खोटी चेली हली एकी तब आया येती ॥
या हनली डुनि कांणि लंगड़ी हनली ।
निआनौ खोजण बर चेली हनी भली ॥
कोत आया आज तक बर कै खोजण ।
के हनला दोष उमैं यत आंख कंणा ॥
सब जग बटी सौक निरासा ज़ जाँछा ।
आखीर नगर कोटा सुनपता जांछा ॥
बीती एक हय भाई रुदुवा हुंणिया ।
सुनपत हांति कुछ कतीका जणीया ॥
बर मैं खोजण आयु सुनपत कुछ ।
आपण मनम तवा डुणी खुशी हूंछ ॥
आब तुम सुणी लियो हुणियका हाल ।
घट जास सिर बीक गज भरी वाला
सुप जासा कान बीका ह्लका जासा आंखा ।
[illegible] जास मुट बीक [illegible] जासी नाखा

भैंसा कसा ऊंठ बीक मैंल की छा ढेर ।
ढोल जस पेट हयो तीन गजै फेर ॥
यस हय रुदु हुणी क्य बात बतानू ।
अजीब चलण हय का तक लेखनु ॥
सुनपत सौक हुणी येस बाता कनी ।
चेली कणी हुनणता च्यल वाला आनी ॥
जो आया हुनणा तुम खोटी चेली हली ।
या हनली डुनी कांणी या लगड़ी लुली ॥
सुनपता सौक कुछा सांची कुनी बात ।
लुली वै लंगड़ी चेली कमनी छा जात ॥
पैली देखी लियो तुम मेरी नानी कणी ।
सरूपा राधिका जैसी देखणी चाहणी ॥
रुदूवा को बाबा तवा लागो गोय बट्टा ।
एक हाता टेकी ठेकी एक हाता लट्ठा ॥
पाईज्ञ की आंटी धरी कनम पसमोणा ।
बट्टा लागी गोछा तवा राजुला देखण ॥
तवा आई गोछा हुणी सुनपता घर ।
राजुला पै लागो गोछा हुणिया नजर ॥
देखी वै हुणिये कणी आई गो चक्कर ।
सूरज उदय हैगो सुनपता घर ॥
थोड़ी देर भज तवा सचेता है गोछा ।
आपण मनम तब ऐसो बात कोछा ॥

Scanned by CamScanner

धन धन म्यारा भागा कैसी ब्वारी मिली ।
बुढ़ापी उमर मज़ा रोटी पके देली ॥
म्यार तै स्वरगा हूल हनी देखी बटी ।
भली बाना मिली गेछा क्य कुनु कैनटी ॥
हुणी तबा बात कुछ सुनपता हांत ।
कभणी बराता ल्यूला सांनो बता बात ॥
सुनपंता कुछ तबा सुण मेरी बात ।
आजि नानी मेरा नेली क्या ल्याले बरात ॥
मांगणी जांगणी कै बें बरात पछिनां ।
आज बटो हई गेई य तुमरी बाना ॥
मानी गौछा हुणीयता सुनपता बाता ।
पक्का छा कबुल कुछ सुनपतें हांता ॥
बट्ठा लगी गोछा हुणी पूजी गोछा धरा ।
देयाला हैं गई कुछा देवता हमरा ॥
सुणी ले तु बात कणी सुण चयला म्यरा ।
ज्यौनें हई गयी चयला स्वरग हमरा ॥
भली बाना मिली चयला भली छा सुरता ।
क्या बतानु म्यरा चयला मोहगी मूरता ॥
उनिकी सूरत देखीं चक्कर आ गोय ।
ब्वारी कणी देखी चयला चाहिए रे गोय ॥
क्या बतानू मेरा च्यला सुण सब हाला ।
सरूपा राधिका जसी गज भरी बाला ॥

च्यल बाप खुशी है रे मन मत मजा ।
कतु साला धोत गई बात बात मजा ॥

अब तुम सुणि लियो साथिला ब्यान ।
बैराठ में मालसाई है गौछा जवान ॥
धीरे धीरे राजुला तो है गेछ हुस्यार ।
ब्या कणी उमर हैगे दुनियक कार ॥
सुणी लियो भाई लोगों एक दिन बाता ।
हुणीता निहूणी हैचा ईश्वरा का हाता ॥
दयाला है जया तुम ईश्वर भगवान ।
भोट मजि राजुलता है गेछा जवाना ॥
एक दिन राजुला कें आधी रात मज ।
कसौ लै देखीछा तबा स्वीपा रथों मज ॥
मालसाई दगड़ा छा कनी कुछ बात ।
सुण मेरी बातों कणी तिरिया की बात ॥
बैराठ में स्वीण हैगो मालसाई कणी ।
आपसा में बाता है रै दिम हंसी कणी ॥
सुणी ले राजुला कुछ भां बाबू जुमाना ।
सारी बाता बतानु में धरो लिये ध्यान ॥
म्यर म्यर इजा बाज्यू हरिद्वार गया ।
मितराभो कूल कैं कौला करी माया ॥

Scanned by CamScanner

त्यर म्यर जबड़ छा य बीतिक परसाव ।
ईश्वरा दयाल हयी दिलै हैंचा याद ॥
जय करली कौल कणी जरूर निभाण ।
जस हल देखी जाल दि दिन बचण ॥
त्यरता बाज्यू लै तेरी सगाई कै हैचा ।
इजा बाज्यू कौल अबा कसिका निभैचा ॥
ईश्वरा भगवान तुम धरि दिया पति ।
हरिद्वारा कौल छिया तब आयी येति ॥
खान दान की तू हैली सुनपत चेली ।
जस हल देखी जाल बचन निभाली ॥
चेली हलीं मानी जाली निमानली जब ।
तिकणी ब्यवहूला सुषा भोटा साधि तबा ॥
ब्या है जाल त्यर म्यर बचन निभल ।
त्यर म्यर ओ राजुला कस जबड़ हल ॥
भोट मज राजुला ता जागत है गेछा ।
बैराट में मालसाई नींन टुटि गेछा ॥
द्विय भण मनु मजा विचार करनी ।
आपण माभुक पासा दिया भणा जानी ॥
राजुला आपण मां है करीछ अरज ।
सुण मेरी इजा कैछा धरी बै धीरज ॥
बेलियक रात इजा मैंकें है सपना ।
मैं है बेरा भेद इजा तू छिपयें भना ॥

क्या तुमुकें करी इजा हरिद्वार कौला ।
पलयूं दयढ़ी करी क्या कणी कबूला ॥
साँची बनें दिणी इजा आपणी जुबान ।
क्य कबूला कैछ इजा करि दे तू ध्यान ॥
कौतिका कबूला चेली क्ये करीछे बान ।
कब हय स्वैण तिकें बेहिये क रात ॥
निछा क्ये जुमान चेली नै कुछ कबूला ।
काले ठक ठाल तिके ओ मेरी राजुला ॥
स्वपनों की बाता चेली निमानणी चैनी ।
उल्टा उल्टा सपना ता भौत हुने रनी ॥
अब तुम सुणि लियो मालसाई बात ।
मा हांनि अरज कुछा जादी देर हात ॥
सुण मेरी इजा कनूं खास छा य बात ।
स्वपनना हुई इजा बेलिया की रात ॥
स्वपना में देखी इजा मैं चैना राजुला ।
च्यल नया क्ये इजा जद येनी ल्यूला ॥
साँची बनें दिए इजा भेद ति छिपाय ।
दि दिन बचण इजा निकलकी चुपाय ॥
कैलैना की छिया इजा हरिद्वार कौल ।
सुनपता हांनि कौछ मिनरामी कौल ॥
वे दिन की बात इजा प्रकटा है गेछा ।
सुनपता घर मज चेली हैई गेछा

ली राजा स्वीणा मंडि मकणी मिलीछा ।
मालसाई द्वजा हाँनी ऐसी बाता कैछा ॥
ीता करी कौल च्यल निसीय हरिद्वार ।
कमणी की कौल च्यल कमणी करार ॥
ातिकी छो मुनपत हम नी ज्यानुं ।
ना हमरी बात च्यल साँची मैं बतानूं ॥
रमानन मालसाई मां की एक बात ।
राजुलक ध्यान हैरी दिन दिन रात ॥
ोतें जिद करीं रैछा आपणी मां हणी ।
किले नि बतानी द्वजा के हैगी तिकणी ॥
तु समझाय मां लै निमानन लब ।
महेड़ी हुकम बाग बन्द करो लब ॥
ालसाई बन्द करी कमर भीतर ।
मालसाई कणि हैरे राजुलै फिकर ॥

२

द हैगी मालसाई करछा विचार ।
कैसे करी हनलो ऊ कौल हरिद्वार ॥
चों जी कबूल हणी म्यर पिरक की ।
संयोग करी दिया मेरी राजुलै की ॥
ा करनु कया जानु कया स्वीणा हुया ।
हुला म्यर इष्ट देवा राजुला मिलाया ॥

वैदीक सुमरण कुछ, राजुलक ध्यान ।
पढ़ी गैछा नीन लबा, सुणो भगवान ॥
उठी गोछ हम लब, बनिगो बुगुति ।
राजुला कारण तुले, कस दै भगुति ॥
पछ रैगी बुगुत छा, उड़ि गो आकाश ।
करण ले गोछ लब, राजुला तलाश ॥
उड़नी उड़नी ऐगो, भोटान्तक देश ।
राजुल महल गजा, करछा प्रवेश ॥
ध्वड़ मज बैठी गोछा, बुगुतै पंच रंगा ।
देखी बटी राजुलकी, ध्यान हैगी भंगा ॥
ऐसी बाता आपस में, राजुला करीछा ।
को देशै बुगुती हुली, काये आई रैछा ॥
पंचरंगी पंछी सखी, को देश का हय ।
कस नप रंग यक, ईश्वरै की दया ॥
को त्यर मुलुक हल, हेनु रंग वाली ।
मनुक सुन्दर तु छै, देश कस हली ॥
कस कस रंग त्यर, सुन्दर छा गाना ।
राजुलना बुगुतै हैं, ऐसी कैछा बाता ॥
राजुला का हाल देखी, क्या कनू कै बरा ।
सुन्दर बुगुत देखी, नसीमे मितेरा ॥
चाँदी की कटोरी मजा ब्याय खाण पिण ।
कसि य बुगुति हली, देखण चाहण ॥

Scanned by CamScanner

पंच रंगी बंछो आगो, राजुला नजीका ।
तेरी बोलो कभी पछो, समझू कसोरा ॥
घुघुतमा लागी रोछा राजुला का ध्यान ।
आज मैं सुणिया तुम ईश्वरा भगवान ॥
क्या बना करनु आब श्री बागनाथ ।
कसो २ समझनु प्रभु घुघुति को बात ॥
इजी को मैतुवां हलै, सोच बागनाथा ।
म्यर हलै मोकोटो तू, आज दिये साथा ॥
समझी जू बोलो एकी, आई -ो-मे आना ।
सुणो मेरी अंजे आजा, ईश्वर भगवान ॥
भारी भारी नेतरा छोड़ि, करीछा पुकारा ।
मकणी खा दिला खबरा, पंचरंगी परा ॥
राजुला पुकारा म्हैंने, बागनाथा दवारा ।
कसी बटी आई कनो, दुखो को पुकारा ॥
श्री बागनाथा तवा, दयाल, है जानी ।
तैं देखता राजुला के घुघुति बनानी ॥
ईश्वरा भगवाना तुम दयाला है जया ।
दुखियका दुख कणी, ऐसो कै मिटाया ॥
ऐबा बनी गोय रामा, द्वि हंस को उड़ ।
मन कसो हई गेई, आकाश में उड़ ॥
खुशी हई गोछा भाई, राजा मालसाई ।
हे ईश्वरा भगवाना कैसी जोड़ी हई ॥

द्वि हंसों की जोड़ि तब, उड़ीगे आकाश ।
दिसे हंसा पुजो गई, हिमालय पासा ॥
आकाश में फैले हाथ, पंचरंगी परा ।
उड़नें उड़नी लागी, मान सरोवरा ॥
मान सरोवरा बटि, जुहारा मुनस्यरा ।
तीन मन्त्र ध्यैंगी तवा, मारी मनसार ॥
मुनस्यरा जंगल बटी, मरी है उड़ान ।
उड़नी उड़नी आगी, मटकोटा आन ॥
अब लागी गोल हंस, मालसाई देश ।
मनही विछोड़ कैंक, मना हो प्रदेश ॥
ऐसी जोड़ी सब है जो, रहै सनातना ।
दो मनु विछोड़ रामा, कभै हुनी मना ॥
आब लागी गोल मुवा, मार्योक मिवाड़ ।
रंगीली बैराट मजौ, राम गंगा गाड़ ॥
ये मेरी बैराट मुवा, य म्यर महला ।
उड़नी उड़नी सर्व, बात कनै हुना ॥
उड़नी उड़नी जवा वापिस है जानी ।
आकाश बै राजुला के सब दिखै गया ॥
दिय मन भेंट हुनो वापिस है जानी ।
मालसाई राजुला है तब कसै कणी ॥
सुण मेरी राजुला तू मेरो बातों कणी ।
मकणी मिलली मुवा तू आब कमणी ॥

Scanned by CamScanner

कसी हैली क्या हमर कसिक तू आनी ।
दिजा तू वचन मिर्क कसीक मिलनी ॥
श्री बागेश्वर जब म्यल ले चामुला ।
सारे भोट पाली पछी देखण ले आछा ॥
तुले अये बोती गुवा मिलिये मकणी ।
बोती वटि घर हणि नि उला तिकणी ॥
इकले तू आये गुवा मांख ले नि ल्याण ।
बागेश्वर म्यल मजि जरूर मिलण ॥
उड़नी उड़नी हैगी श्री बागनाथ ।
अबा छुटी गोछ हंसी ल्यर म्यर साथ ॥
कसीका में उला स्वामी बागनाथ म्यल ।
म्यर बाप मिकणीता कसीक भेजल ॥
इकले मैं कसी श्रीला तिरिया की जात ।
क्या बहान कुला स्वामी बतै दिया बात ॥
मालसाई राजुला हों कुरुछा बयान ।
निज्याणनी मेरो सुवा तिरिया बहान ॥
एक दिन मजां हनी कनुक चलण ।
मैं बतानु तिकै सुवा तिरिया लक्षण ॥
पेट पीड़ा सिर पीड़ा दिलका बीमारी ।
दुनिय का जरा मथा सबै सैंणी पारी ॥
छाव लै झपट हुय देवता मसाण ।
को ज्याणि स्कूला गुवा सैंणी छम बाण ॥

[illegible] बहान हनी एनुक बताया ।
नीरिया चरित गुवा, कनुका जै हया ॥
[illegible] बाप कणी, आवना राजुवा ।
मालसाई हान कैछा, जरूर मैं आंवा ॥
[illegible] है गेछा अबा दिया भण जाणी ।
अपरीवा नेर हुन, आंगु ले दानवी ॥
[illegible] जा तू घर हणी रहये मालिक ।
जरूरि तू अये गुवा, जनिका कौतिक ॥
[illegible] छोड़नु कैछा मैं गुवाको साथा ।
मेरी पत्नी और दिया श्री बागनाथा ॥
[illegible] पंछी उड़ी गयी उड़नी आकाश ।
आपण मनम दिए है रयी उदाश ॥
[illegible] हवी स्वामी कैको यम निरभागा ।
धन धन ऊं तिरिया जे कैछा सुहागा ॥
[illegible]पण आपण घर दिया भण गया ।
मालसाई बैराठ में जागना है गया ॥

[illegible]

[illegible]पण मां हती कुछा गुण मेरी बाना ।
कब हुछा इजा म्यल श्री बागनाथा ॥
[illegible] जाण बोती इजा कौतिक देखण ।
राजुला ले आण बोती मकणी मिलण ॥
[illegible]णी छा म्यल इजा बतै दे मिकणी ।
बैराठ में ल्यूला इजा, मैं राजुला कणी ॥

तब कये च्यल इजा ज्ब येती ल्यूला ।
जस हल देखी जाल राजुला ब्यहूला ॥
मानी जा तू म्यर च्यला निकरना हट ।
किलका तू जांछें च्यला बटका अबटा ॥
नकरा नकर च्यल राजुलक ध्यान ।
कय है गोछा तिकै च्यल म्यर कय मान ।
नि मानून मालसाई सां कि एक बात ।
गुस्स में भरी गेछा तिरियें की जात
महेड़ी हुकुम लाग सारा दरबार ॥
मालसाई बन्द कर, जो नि आवा भ्यार
छै कमरा छोड़ी बटी सात, मजा धरो ।
माख लै जो नि जैसक यस बन्द करो
सुनका पलंग, लागी रेशमी कपड़ा ।
मालसाई बन्द हैगो क्वे निछा दगड़ा
खात्कुली कुकूर धर विक दवार पार ।
और धर काग एका विक चौकीदार
क्वे निजा सकुन भाई मालसाई पास ।
राजुला का बिन आवा हैगोछा उदास
रूनै रूनै मालसाई है गोछा हैरान ।
दयाल है जया तुम ईश्वरा भगवान
रूनै रूनै मालसाई पड़ी गेछा नीन ।
ईश्वर भगवान अब कय कनी आधीन

भोट मज राजुलता, सचेता है गेछा ।
सुनपता हांता तव ऐसी बात कैंछा ॥
स्वप्ना हयौ बाज्यू वेलीयका रात ।
भेद निछिपण बाज्यू सांची कया बात ॥
कौल करौ हरिदवारा तुमुलै कभणी ।
पाली पछौं रज मिल स्वोणम मकणी ॥
भन लिये मेरी चेलो पाली पछो नाम ।
निगमेय हरिदवार चेली मैं निहातो फाम ॥
किलै कंछा बाज्यू म्यर पाली पछौ नाम ।
पछ्यू दगड़ी बाज्यू कं आछा जुमान ॥
ड़े छा बिखिल चेली मुलुक पछौक ।
बड़े उल्टी रीत वेति नाम निले वीक ॥
य बिखिल द्यख बाज्यू मुलुक पछौक ।
किले कंछा खाली बाज्यू बदनाम वोक ॥
कौ उल्टी रीत बीती मकणी बताण ।
तको बदनाम बाज्यू खाली लै निकण ॥
क बल्द बोती चेली सात लैं मऊका ।
सनज्याती चीज ओझी कतूक घरूका ॥
रै गोंका एक तौ में रोटी लै पकानी ।
पछौक मुलुक चेली यस लै बतानी ॥
धन उ मुलुका धन वीक भाग ।
जति मिली रौछा बाज्यू सब झणु राग ॥

Scanned by CamScanner

कतुक हनल बाज्यु, उनू मज मेल।
मैं खेद्यल ऊ मुलुक, एतुक रंगील
राजुलै को सुनपत, एक नि सुणन।
हिरदमा लागी गोछा, चेंहणी का कान
सुण मेरी राजुला तू, मैं तीकैं बतानू।
आपणी विपता चेली, तिकणी लगानू
एक बार मैं लिगोय बकरु लदान।
बकरू का सिर खटा काटी देई कान
एतुक बिखिल चेली, उ मुलुक हय।
भल छा काँ बटि चेली, तुलै कसी कय
तुमुलै क्य कय बाज्यु पछ्यु लै कणि।
बिन बातै क्वे निद्यना दुःख लै कैकणी
एक माण लूण दिबै छै माण ज्यों लिया।
तबता उनूलै चेली कान काट दिया
फिरी लकी भल बाज्यु उ मुलुक हय।
नि कवौ बुराई बाज्यु, उ मुलुक हय
बोती बटी गाय चेली, चौकोट इलाक।
एक माण लूण दिया, दि माण धानुक
बकरू का खुटा चेली बोती टोड़ो दिया।
पछौक मुलुक चेली सारै छा देखिया
फिरी लकी भला बाज्यु चौकोटा का मैंसा।
जनूलै ता आण दिया आपण लै देशा

चौकोट वैं आय चेली मुलुक द्वारहाट।
उनू लैता बकरू का सब सिर काट॥
भल हय भाग बाज्यु दया करी गया।
सिद सादा मैंस वांका वचि वै ए गया॥
भोटक मुलुक हय सब मारी दिना।
बिखिल य भोट बटि क्वे घर नि जना॥
यस छा बिखिल भोट जादू को भरियो।
पछौ की बुराई बाज्यु कसिक कैं दिया॥
निमानंनी चेली जबा न्हैगे मां का पासा।
कब लागू म्यल इजा बागनाथ खास॥
आजी भौत दिन चेली कौतिका का हय।
ईश्वरा भगवान तुम दयाल है जया॥
जरा दिन रह गया कौतिका का जब।
मनमा फिकर हैगे राजुला का तबा॥
म्यहांति चलिये कौछा त्रिरिया चरुण।
क्या लगु बहान अबा क्य बतू लक्षण॥
राजुला बहान लाग पेट पीड़ हैगे।
राजुला का मां बापु कै खबर मिलीगे॥
कसी पीड़ हैरे चेलो गाउ ली पुछिछा।
हांता जोड़ी राजुला ता अरज करीछा॥
मरी जानू मेरी इजा रहये भलिक।
नि देखण पाय इजा बागनाथा कौतिक॥

Scanned by CamScanner

हिया भरि आय मांक चेहेड़ी क दाग ।
क्य लक लगैछे चेली ज्यौन जिया आग ॥
सुनपत समझी गो राजुला कीं चाल ।
गुस्सा गजि भरि गोछ आंखी हैगी लाल ॥
बार विष मंगै हाली राजुला खिलानी ।
साचि ली मुटिकी तब पच्छयाण लगानी ॥
मुठि छिया पीड़ बीकी मरण भैं गया ।
मरी जानू इजा अब अरज करीछा ॥
म्यर गोय दुख इजा तू मलिक रये ।
खये पिये मेरी इजा शोक भन कये ॥
राजुलै की बात सुणी हिया भरी आय ।
बार विषा राजुला का उतारी ली दिया ॥
नि बताण सैणी कणि आपण विश्वास ।
निकणी तिरय की के बातै की आशा ।
फिर कैछ पीड़ पीड़ अबा मरी जानु ॥
एक ली आवाज बाज्यु आई म्यर कानु ॥
श्री बागनाथा म्यरा कनी कानों परा ।
मैंता लागी रयु कनी राजुला तिपारा ॥
म्यरता बाज्युल एक कैं रैछी जुगान ।
पूजा द्युला बागनाथ है लांली सन्तान ॥
भूली गया मैंके तुम तब यस करो ।
पूज दिण यां नि आया बीक फल हैरो ॥

माख लैं निल्याण पावे, दघड़ आपण ।
होई कबी म्यर बाज्यू, कै रौछी परण ॥
होई कुछ सुनपत, चेलिका कारण ।
यस हुनी भाई लोगो, सैणियों चलण ॥
राजुला मनम जब, खुशि हैई जैछा ।
आपण मां हांता, तब ऐसी बात कैछा ॥
जब आली सिकै इजा, बोति क्वे विपता ।
को करलो मेरी इजा, बोती लै मदता ॥
यस कनी मेरी इजा, गाई लै तारीछा ।
कि म्यर नामक इजा, दान करी दिछा ॥
एक एक कनै सब, दान लै करनी ।
चेलिका व्या मजा भाई, जतु दान हुनी ॥
जो जो दाना हुनी भाई, सब करि हाल ।
यस हुनी भाई लागो, तिरिया की चाल ॥
राजुला मां हात कैछा, मेरी इजा [illegible]

Scanned by CamScanner

राजुला देखण लैरै, पुन्यो जून कसी ॥
गुड़ डई तेल थ्वड़, सुनक छतरा ।
चान्दीका धुपिण लिया, चांदीक पतरा ॥
पुजक समान लिवैं, बट्टा लागी गेछा ।
वोकीय कौ ज्यौड़ थाम, खुशी हैई गेछा ॥
बैंठी रये मेरी इजा, मैं बेर ऐ जूला ।
ते बिना मैं यतु दिना, कसीक रहूला ॥
बट घटा पन चेली, बरा बरी जये ।
पूजा करी बेर चेलि, वैरैं लौटि आये ॥
बटा लागी गेछ तब सुनपता चेली ।
फुलीया बुरुष जसी गुलाब कैं कली ॥
रुण लारै राजुलता, आंस लैं ढोइछा ।
आधीलैं की खुटी कणि, पछिन धरीछा ॥
एसी शोभा देखि रैंछा, लक्षमी समान ।
धार कसी जून हई, लट्ठ कसी थान ॥
घर वटि दूर जब, राजुला न्है गेछा ।
बकरैं की पाठी तबा, छोड़ी भली हैछा ॥
बागनाथा राजुला हैं, नाराज है गया ।
मालसाई बैराठा में, रेईया रै गया ॥
उनरा निमित ल्याछी, बकरैं की पाठी ।
भुली गेछ राजुलता बागनाथैं बाटी ॥

तब ता निहना दिया, द्विया झणु साथा ॥
दौड़ने दौड़ने लागे, भौत दूरा जवा ।
हिल मोती बिल मोती, देखि हाली तवा ॥
राजुला ममक चैली, ऐसी बात कनी ।
कती की चचकारी हली, येसी बन ठनी ॥
पछयाणी गी राजुला कैं, जवा द्विया बैंणी ।
यता छा राजुला कनी, हमुलै नि ज्याणि ॥
सुण मेरी दीदी कौनी, आज कती जाण ।
हमू कणि आज दिदी नाच दिखे जाण ॥
राजुला नाचण लागी, उनू हैवे दूर ।
इन्द कसी परी हैरे, राजुला भरपूर ॥
खुटुका घुंघुरु तबा बजाण, लैं गेछा ।
सुन चांदी जेवरा कैं चमकाण लैं रैंछा ॥
ऐसी शोभा हैई रैछा, पुन्यो कसी जून ।
पाइँगा आंठी जसी पिरु कसी बून ॥
राजुला का हाल देखी है गई बेहाल ।
आब तुम सुणि लियो, आघिल का हाल ॥
रमोलिका कोटा जवा, राजुला ऐ गेछा ।
सदुवा रमाला तब ग्वाब आई रोछा ।
वीकी लै नजर लागी राजुला पैं जवा ।
होसता बिगड़ी गेछा, सदुवै को तबा ॥

Scanned by CamScanner

धन धन य तिरिया, धन तेरी माई ।
पुन्यो कसी जून सुवा, कती वटि आई ॥
कसीक मनानू आव य तिरिया कणी ।
फिकरता है गे आव इनीकी मिकणी ॥
तव कुछ सदुवता एक खुटी नाचा ।
आंख बूजी वेर तव मुरली वजांछ ॥
वारा विषी वकरता नौ विषी ढिवरा ।
लगै भला द्युल कुछ य तिरिया परा ॥
हिटं म्यरा घर सुवा मेरी राणी हली ।
और कामा मैं करुला तू रोटी पकाली ॥
वार वीसी वकरता नौ विषी ढिपरा ।
मैं काटुला घास पाता तू कली खवरा ॥
मुमकिना निछा केछा त्यर यस कण ।
मैंल ब्याव वागेश्वर जरूरे छा जाण ॥
सदु कुछ निमाननी तू कती जणिया ।
मारी हाचा जादू तव खुट वादणिया ॥
नि उठे सकनी जव खुट लै राजुला ।
अब तुम सुणी लियो सदुवा का हाल ॥
हंसी गैछा राजुलता सदू देखि वेर ।
खुशी हुई सदू हंस मुख खोली वेर ॥
फकीछा जहर तव राजुला सौक्याण ।
सदुवा का तौ [illegible] ॥

एक धार लट्टी पड़ी क्वे धार कामई ।
छुटी गेछा हात वटी रंगीला वांसुई ॥
ऊतारुला कुछ तवा, त्यर जादू कणी ।
मैं हाथा जोड़नू अव तू वचा मंकणी ॥
उतारछ जादू जव आफी हूं अचेता ।
दया आगे राजुला के करीछा सचेता ॥
वट्टा लागी राजुलता जंगल बीचम ।
विचारा करीछा तवा राजुला मनमा ॥
घनघोर जंगल छा आज कथां जांण ।
शेर या वागैलै आज मैं जरुरे खाण ॥
म्यरता इजा लै कोछी नजा चेली वीती ।
मरुहणी आयी गोय आज मैं लै येती ॥
जंगल बीचम रामा रुवन मचैछा ।
इजका वचन कणी याद लैं करीछा ॥
वटा लारे राजुलता मालसाई ध्यान ।
पूजी गे राजुला आव बागनाथा थाना ॥
राजुलकौ रूप रंग लक्ष्मी समान ।
मालसाई मज जारे राजुलक ध्यान ॥
म्यल ढैरौ वागेश्वरा वड़े भारी भीड़ा ।
राजुलका दिल मजो मालसाई पीड़ा ॥
दश देशा लोगा आरे कौतीका लै येती ।
हे ईश्वरा भगवाना मालसाई कती ॥

Scanned by CamScanner

गढ़ का गढ़ावा आरै गाती लगै बेरा ।
द्वरका द्वर्यावा, आरै हुडुक ली वेरा ॥
ढेढ़ी टोपी वाल आरै सल्ट का सल्टीया ।
चौकोटा भगनौला येती ठुल बल्दिया ॥
कैंड़ारौ बौड़ारौ वटि बाइसा भै अया ।
दस दस सेरक गन्या उनू परा हया ॥
सुण ददा भोवलै छा वागेश्वरा म्यल ।
कौतिका जरूरै जाण आबा कस हल ॥
बटी हाली सिका तवा गन्या लै बादनी ।
बादि बुदि बेरा तबा पुठम लटकानी ॥
भुजा जसा डाली रई पछिन पुठम ।
बाइस भै आई नयी दगड़ै म्यलम ॥
उनरा पू झोड़ा लागी है रैछा बहार ।
सुणनेरा लोगों मजा दौड़ी गै लहर ॥
झौड़े—छिलकिया रांखी जइया ।
लूणौ की अलूणी हैगे छन खसमा ॥
भावरा में बेथू खानी पहाड़ा सिसौंण ।
य ऐसी चतुरा नारी हमा छू भिसौण ॥
तुम ना बोलो सासू झगड़ौ हैं जालौ ।
झगड़ है वेरा कजीया मातलौ ॥

म्यर मैतका देशा पलंग बिछानी ।
य यसौ पहाड़ा मि मज से जानी ॥
झौड़ा गानै सब भाई ठाड़ कनी कमरा ।
राजुला पैं लागी गैछा उजरी नजरा ॥
आंखौं में चक्कर आगो सब गिरी गया ।
एक मजा एक पड़ गन्या फूटी गया ॥
गन्यांनूका यसा हया म्यल मजा हाला ।
इनरता झौड़ा सुणी खुशी है राजुला ॥
जगू जगू झौड़ा हैरै जगु जगु गीत ।
देश देशों खेल हैरै जैको जसा रीत ॥
राजुला देखण लागी एक दना वटी ।
दिला मजा खुशी हैगे झौड़ा सुणी बटी ॥
धन धन यो मुलुक एतुक रंगील ।
सवै ढूड़ी हलौ जबा मालसाई नि मिल ॥
नि मिलन मालसाई है गेछा निराशा ।
राजुला पहुंची गेछा बागनाथा पासा ॥
हाथ जोड़ी अर्ज कनु धरि बटि ध्यान ।
दयाला है जाओ तुम ईश्वरा भगवाना ॥
मिली जो मालसाई मिकै धरी दिया पती ।
सबा लोग म्यल अया मालसाई कती ॥

Scanned by CamScanner

कती म्यरा मालसाई अब क्या करनू ।
मिलें दिया स्वामी कणि अरज करनू ॥
रूनै रूनै राजुलै की आँखी हैगी लाल ।
बागनाथा मन्दिरमा फोड़िछा कपाल ॥
जतूक समान ल्याय तुमुकै चढ़ाय ।
म्यर स्वामी आग येती किलका निआय ॥
भेट ले पावड़ी मिलै तुमुकै चढ़ाई ।
म्यर दुख देखि स्वामी दया लै नि आई ॥
क्य करनू कथां जानू कसीक देखनू ।
मालसाई कणी आब कसीक मिलनू ॥
रूनै रूनै राजुला लै जोड़ी रई हाथ ।
दयाल है जानी तबा श्री बागनाथ ॥
राजुला हालत देखी हिया भरी आंछ ।
आँख मजा आंसू आनी सोंण झुली जांछ ॥
राजुला मनम कैंछा तबा ऐसी बात ।
मैं कुछीया द्युला तुम एति बात ॥
आफी रुण तुम लागा सर्व शक्तिमान ।
केकी शक्ति तुम मजा क्यका भगवान ॥
तुमु मजा शक्ति इनी तुम किलै रूना ।
हमू कणि आज येतो जरूरै मिलना ॥
गुस्स आगो राजुला कै रुण देखि बेर ।
फोड़ि दिया एक आंख आगै लगे बेरा ॥

बागनाथा स्वामी तब नाराज है जानी ।
राजुला कैं तुं बखता फिटकारा दिनी ॥
भन हव भेट तेरी भन हवो साथ ।
भुली जाये बीती बाट बिगड़ी जों बात ॥
जो तिहांता बिष छायो भन आवा काम ।
म्यरतो सराफ छा यो है जालो बेकाम ॥
जब कती फाम आली उलट है जाल ।
बागनाथा वाणी छिया कसी हव भल ॥
येतु सुणि राजुलता है गेछा रमाना ।
मन मजा करी रोंछी मालसाई ध्याना ॥
.सें हल देखी जाल गिवाड़ा मैं जानू ।
मैं अ.णा मालसाई कणि मिली आनु ॥
हला म्यरा इष्ट देवा बोती पुजे दिया ।
मेरी पती कणि तुम आज धरि दिया ॥
मन्दिरा बं म्यार आई वट्टा लागि गेछा ।
बागेश्वरा गरुड़ बै कौस्याणी आ गेछ ॥
मालसाई ध्यान हैरो राजुला मनमा ।
सुमेश्वरा वटो ऐगे विन्दिया स्यरमा ॥
कहैड का कोटा हल कउवा कहैड़ा ।
छ ध्यला नो नाती बीक भैंसिबा छै बड़ा ॥
नागुलो भागुलो भैंसा बड़ कार वार ।
कहैड़का कौटा रजा हे रगै जिहार ॥

Scanned by CamScanner

कती गया बाज्यू कनी बुढ़ापो उमरा।
भगुवा कै हली कनी बुड़ै की खबूरा ॥
भगू कुछां मैं बतान् करो लिया फामा।
बुड़ कैगो विन्धा स्यरा सब म्यर नामा ॥
स्यरता लै त्यरा नामा तु प्रतौ वतैदे।
हमरा लै बाज्यू कणी हमूकै दिखदे ॥
येती एछा एक तिरी लट्ठा कसी थाना।
उनका पछीना बुड़ौ है गोछा रमाना ॥
द्विया झण नहै गयी भटकोटा डना।
बोती ढूड़ी लिया तुम हनला उपना ॥
यैती सुणी च्यला नाती घर वटी गया।
भटकोटा डना तवा खोजण लै गया ॥
खोजनै खोजनै जवा बोती पूजीं गया।
च्यला कैनी बाज्यू तुम येतो कती आया ॥
राजुला पै लागी जवा उनरी नजरा।
नाती च्यलू कणी तवा आई गो चक्कर ॥
बुड़ कुछा कैदे च्यला कैजा, लै पैलाका।
एक बार केदे नाती आमा लै पैलाका ॥
नाती च्यला कनो तवा पैलाका नि कनू।
य तिरिया कणी अबा हम लक लिनू ॥
द्विया सौ चालीसै हैग हव तेरी उमरा।
कस कछा ममाह अब आई जावो भ्यार ॥

गुस्स ऐगो कउवै कै आई गोछ भ्यार।
बुड़े मजि पड़ि गेछा च्यल नाती मार ॥
च्यलका तरफ जांछा नाती दिनी मारी।
नाती की तरफ जाँछा च्यला लीनी थूरी ॥
क्य करूछा कऊ अबा बुढ़ापी उमरा।
च्यल और नातियों लैं टोड़ी दी कमरा ॥
तब कुछा च्यल हांती सुणो मेरी बाता।
रणजीत तलवारा थमै दिया हाता ॥
गरदना बील मेरो तुम काटी दिया।
भैंसियों मुरुली म्यर सुख लगै दिया ॥
काटौ हैचा गरदना हयौ स्वर्गवास।
तिरिया कारण च्यल निउठना लास ॥
च्यल कनी य तिरिया हमुलै ब्याहाणी।
नाती कनी य तिरिया हमुलै लिजाणी ॥
च्यल और नातियों की एसी हैरे बाता।
पैली सब हिटौं कनौं कूला बुड़ गता ॥
पैली कुला बुडै गता पैंजसी जो ल्यल।
वीको य तिरिया हई जो पैली ए जाल ॥
लिन्है गई बुड़ कणी, तिथाण जां छिया।
आग लगै बेर तब बुड़ छोड़ी दिया ॥
दौड़ लगै बेर तब बुड़ छोड़ी दिया।
[illegible]

करण लैरया तब राजुला

नि मिली राजुला जब तब गय घर।
बुड़ मारी हाचा कनी कब झर फर ॥
काटौछा वाकर तबा लघड़ा पकाया।
अधजली बुड़ कणी घाट छोड़ी आया ॥
मुख परी लगै रछी, भैसिया मुरुली।
बोल सुणी भैस आया भागुली नागुली ॥
अधजली गुसै दुख हिया भरी आया।
द्वि भैसू आंख मजी, सौण भुलि गोय ॥
कसा खाची त्यर भरा खबकी पराता।
आटा का ढिब खाया, झुगरी क भाता ॥
आज गुसै कसी हुई, अधोगति तेरी।
आव गुसै को करलौं पालन हामरी ॥
भैंसूलै धकेली बेरा गाड़ खेती हाचा।
गंगा लैं ऊ तैबखता लाल लगै हाचा ॥
गंगा कैछा भैसू हात यौ पापी छी बड़।
तबता च्यलूलै येती य यसीकै स्यड़ ॥
निराशा है गया भैस बीती बै ए गया।
आधीन का हाल तुम अब सुणि लिया ॥
जैं बखत कउवा कैं तिथाण लि गया।
राजुला का इष्ट तब दयाल है गया ॥

भुलने भटकने तबा द्वारहाट ए गेछा ॥
द्वारहाट में हय भाई पदुवा द्वर्यावा।
तीन पट्टी रजा हैरै वीकी बड़े गावा ॥
राजुला पै लागी जबा पदुवै नजरा।
होसत बिगड़ी गेछा आ गोय चकरा ॥
ककीता तिरिया छै तू कती बटी आई।
हिट म्यर घरा खाली दे दूध पराई ॥
वार बिषी भैंस म्यर बड़े कारबार।
एस व आराम कली हिटै म्यरा घर ॥
लि गोय राजुला कणि बाँसुई का खाना।
राजुला पदुवै हांता करीछा बयान ॥
बाज्यू ल्याछी येती म्यर बकरू लदान।
कती काटा बकरू का हात खुटा कान ॥
पदु कुछा त्यरा बाज्यू बकरा यां मारा।
बी दिना बे कनी वहाँ सौकक उड्यारा ॥
पदुवै है राजुलता तब यस केछा।
कि ल्याद्यला पाणि तुम तीस लागी रेछा ॥
पाणी ल्याण पदु गोय ठेको लेई बेरा।
उल्टी ठेकी धर मुण लागी भुली बेरा ॥
सारे भिजि गोय पदु तब आई होसा।
नसी गे राजुला तब पजी कतु कोसा ॥

एक डवा खुना मजी वाकी गेछी धोती ।
पाणी ठैकी लीई ब्रेर पदु आय वोती ॥
मन्द मन्द हवा चली धोती ले हिलीछा ।
मनमा पदुवां कुछ थ किलैं रिसेछा ॥
ले तू सुवा पाँणी पीले क्य बात है गेछा ।
धोती उठे द्यख जब देखिया रैं गोछा ॥
उ उढयारा खेत वटि आगे खिन खावा ।
मिताई का खावा वटि धीरे पीडी खावा ॥
राजुला पहुची गेछा महरुबा कोटा ।
सात लै भाई की बीती मिली रेछा जोटा ॥
धूम धाम महरो की बड़े कार वार ।
आपण इलाक मजा है रयी जिहारा ॥
सात भै उघाणा गया जमोन रकमा ।
गउवा पहरी कणी लिगया संगमा ॥
सात भाई ध्वड़ मजा है रयी सवारा ।
गउवलै जती तर्बा करछ तयारा ।
ध्वड़ सजै सात भाई है गया रमान ।

पुजै दिया वैराठ में, मालसाई पासा ।
ज्य करला इष्ट म्यरा तुमरो छ आसा ॥
भ्वड़ गया बटा पना जती गोय खावा ।
गऊं कुछा अबा म्यर आयी गोछा कावा ॥
है है कनै जती जबा पार लैं करूछा ।
दौड़ने व्यरका बुजा जतीया घुसछा ॥
तवा जती छोड़ी हाछा आ गोछा बटमा ।
पड़ीगे राजुला तवा विका नजरमा ॥
दौड़नै दौड़नै रहैगो जां गछी महरा ।
उनू कै बताछ तवा राजुला खबरा ॥
तिरिया छा एक कुछा भली छि देखणीं ।
जरूर बनावो गुसैं अपणी ले राणी ॥
सात भाई आई रयी राजुला का पासा ।
उनू देखि राजुला है गेछा उदासा ॥
हिट वें तरिया कनीं तू हमरा घर ।
चारों पट्टी रजा हम ठुल कारो बार ॥
राणी बनी बैठी रलीं करली आराम ।
बैठाईछा ऊनूलैता राजुल ध्वड़म ॥
सात भाई धरा गया खुशी हया मारी ।
बामणा बुलाई वेरा आंचवै की ठारी ॥
राजुला के हई गेछा आपणी फिकरा ।
हनला क्वे इष्ट तुम मैतुव लै म्यरा ॥

Scanned by CamScanner

धरि दिया पति मेरी रैजो म्यर मान ।
इज्जत कै धरी दिया ईश्वर भगवान ॥
मण मण नेंतर छोड़ो डाड़ लै मारिछा ।
पतिव्रता नारी आज कसीका बचीछा ॥
मेरोयों पुकार कणी सुण गंगा माई ।
कसी मुसीबत आज मिपारी आई ॥
दयाल है गयी तब ईश्वर भगवान ।
राजुला का दिल मजा देई दिया ज्ञाना ॥
राजुला का आंगूली में हीर की मुनड़ीं ।
वाई गेयी अन्चव की जौ वखत घड़ीं ॥
हीर की आंगुठी दिदि बामणा जी कणी ।
आज तुम पण्डित ज्यू बचाया मकणी ॥
आज मेरीं इज्जत कै तुम बचै दिया ।
परदेशा मजा मेरी लोज धरी दिया ॥
ज्या करला बामणा ज्यू धरम बचया ।
इनरा लै हात वटी मिकणी छुटाया ॥
पंडित जी यस सुणी लगना मिलानी ।
सात भाई हाँत तब येसी बात कनी ॥
सब लग्न ठींक छिया एक बात खास ।
घुसी वेरा जो लै आला तुम म्यरा पास ॥
कुलक्षणी सैंणी छा य ध्याना लैं धरणौ ।
येतीं कणी आई बेरा विलैं मणि जाणौ ॥

घक है गे सबु कणी है गयी हैराना ।
को इनी कारण कुछ आपणी ज्वे राना ॥
सब कनी खोलो द्यवो समर आँचल ।
कनी कैं निकालो अलैं जो चहंचा भल ॥
पकड़ी राजुला तब नंगी करी हैचा ।
बगसा में बन्द करी गाड़ बगै हैचा ॥
कत्यूर की वाआ अब बगण ली रौछा ।
मन मज मालसाई सुमरण कैछा ॥
हनला क्वे इष्ट देवा कत्यरू का आज्ञा ।
कत्यूरु की वांन छू मैं धरी दिया लाज ॥
नौ लाख कत्यूरू तुम आज कतीं गया ।
मैंलैं मरी जाण आज़ तुम बैठी रया ॥
कत्यूरा के वौराठा में बतानी हूरा ।
आलोपा है गया आज तुम बैठी गया ॥
कत्यूरू की देवी तवा देखी रैंछा हाल ।
गुस्सा मजी भर गेछा आंख हैगे लाल ॥
देबि लैं चिघार मारी करूछा हुकमा ।
सुणि ले तू रामगंगा रहए सतमा ॥
कत्यूरू की बाना छा त दुख झन दिए ।
इनी कणि नि डुबान सत पारा रये ॥
गाड़ लैं लहर मारी किनारा लगाई ।
राजुलैं की देवि लैं ता इज्जत बचाई ॥

Scanned by CamScanner

रेशमी कपड़ा द्वीया द्वी डाली जेवर ।
राजुला पै येसी हैचा देवा की मेहरा ॥
बेराठ में आई गेछा अब ल राजुला ।
खोजणता लागी रैंछा स्वामीक महुला ॥
पुजी गे राजुला तबा मालसाई घरा ।
बुकणी कुकूर मिलो मालसाई द्वारा ॥
राजुला कैं देखी बेर कुकूर भुकूछा ।
राजुला सोचण लागी यू कसी मरुछा ॥
होनहार है बै रैछा ईश्बरा का हाता ।
बागनाथ बोल छिया बिगड़ी गे बात ॥
याद आय विष तब धमेली धरिया ।
निकालौछा डब तब विषक भरिया ॥
फूकी हचा विष तबा सब फैली गोय ।
बैराठ में सबू कणी विष लागी गोय ॥
सबता अचेत हैगी पड़ी गेछा लासा ।
राजुला पहूंची गेछा मालसाई पासा ॥
सुनका महल दयखा सुनका पलंगा ।
राजुला बहैटी गेछा मासलाई संगा ॥
सुनका तख्त परा मोत्यों का झालर ।
हीरा छै जड़ीया वीक चारपाई पारा ॥
मखमला विछा हया गद्दा रेशमी का ।
चुटका विछिया वीती खाडुकी ऊनका ॥

मालसाई देखी राछा घोलक कफुवा ।
खाट मजा लेटी रौछा मुनौकी डाकुवा ॥
मालसाई रेई रौछा नीन पड़ी रैछा ।
उठो २ स्वामी म्यरा बाजला जागैछा ॥
ठाड़ उठो म्यरा स्वामी निहोवौ निरास ।
राजुला बहैटी रैछा य तुमरा पास ॥
तुमरा कारण स्वामी कस कस द्यख ।
किलै पलट छा स्वामी अवा तुम मुख ॥
तुमरा कारण मैंले द्यो निद्यख धाम ।
ईथां उथां लटकैछा केई कस खाम ॥
निउठ मालसाई जब रुदन मचैछा ।
ईथां उथां दिवारूतै सिर कैं फोड़िछा ॥
कथां जानू प्रभु अब क्या घना करनू ।
मालसाई कणि अवा कसिक जगानू ॥
भोट वटि येती आय तुमर कारण ।
उठो म्यर स्वामी तुम निभाव परण ॥
प्राण पति उठो म्यर अब नींद त्यागो ।
येती ऐरे प्रांण प्यारी अब तुम जागो ॥
हे ईश्वरा भगवाना क्या बात है गेछा ।
आज परदेशा मजा मेरी लाजा जैछा ॥
हनला क्वे इष्ट देव कत्यूरुका आजा ।
धरी द्यला तुम मेरी आज येती लाजा ॥

Scanned by CamScanner

भोटकौ मैं येती आयौ कतू दुख पायौ ।
अपण मां बातू कणि ज्यौनै छोड़ी आयौ ॥
इजा बाज्यू छोड़ी आय भाग फुटी गोय ।
ईश्वरा भगवान आज सब गया रूठी ॥
कालैंता निदेखी इजा य मेरी विपता ।
कसो हयी आज येती मेरी अधोगता ॥
राजुला कैं भुकै हैगे आज कतू दिना ।
कभणी टूटली कैछा मालसाई नीना ॥
भितेर चेहाय जब मिलिगे राजुला ।
खिचड़ी बनैछा तब वोती लै राजुला ॥
नि उठा मालसाई जबा थालिमा परसौ ।
राजुला कै मालसाई छुटिगो भरसो ॥
चिट्ठी लेखी हैचा तबा बनाई तस्वीर ।
आज फुटी गोय स्वामी म्यर तस्वीर ॥
तस्वीरम बनै हैच गज की धमोली ।
म्यर नाम राजुला छा सुनपतै चेली ॥
बचन कारण आयु मैं तुमरा पास ।
है गोय वापस अब है बेरा निरास ॥
तुमर कारण भिलै कस कस चरू ।
आखीर तुमलै मिक देई हाचा घ्वक ॥
ज्यौन मां का च्यला हला भोट लै सादला ।
मरी मां का च्यला बैराठा रहला ॥

नौ लाख कत्यूर हला, तुम सच्चा च्यल ।
अपण परण पारी भोट के सादला ॥
च्यलो हला भोट आया राजुला कारण ।
मैंता येती आई बेर निभैगू परण ॥
नौ लाख कत्यूरा कणी, संग मजा लिया ।
सबू कणी साथ लिवैं तबा भोट आया ॥
कंढै भांजी बेरा तुम चिमट बनया ।
तौल भांची बेरा स्वामी कुन्डल बनाया ॥
जोगो भेष बनै बेर अचख जगया ।
लछि गणि महरू कै तुम शादी आया ॥
उनरा कुड़क साड़ी कन धरो लिया ।
पदुवा दूरयावा कणी तुम संग लिया ॥
ऐसी चिट्ठी लेखी हैचा सिराछ धरिछा ।
मालसाई मुख पारी रुदन मचैछा ॥
पलटी गे म्यर लिजी आजा धरती माता ।
छन दिन म्यर लिजी पड़ी गेछा राता ॥
भन हवो कैक रामा गस निरभागा ।
हिरदमा लागी रछा विरहा की आग ॥
मेई रया म्यर स्वामी अबता मैं जानू ।
कलेजी का आग कणी कसीक बुझानू ॥
द्वि हातुलै छाती पीटी कपाला फोड़िछा ॥
लट्ठ कस थाना कणी हाथू लै हिलैछा ॥

Scanned by CamScanner

मालसाई खुटू मजा सीस लै नवाई ।
हाथा जोड़ी बेर तबा बट्टा लागी गेई ॥
कस छिया यौ मुलुक म्यर निरभाग ।
आज छुट्टी गोय रामा मिलिया सुहाग ॥
आज रूठी गया म्यर सब भगवान ।
बैराठ बै राजुलता है गेछ रवान ॥
राजुला पहुंची गेछा अपणलै घरा ।
राजुला मभू कणी खुशी हैं आपण ॥
खुशी हैगी इजा बाज्यू धरी लिया ध्यान ।
अब मालसाई को मै लेखनू बयान ॥
बागनाथ बोल छिया राजुला कै जबा ।
बैराठा मैं विष लाग सबू कणी तबा ॥
भेट भन हबा कौछी सुण ले राजुला ।
राजुला जणम तबा उठा नना ठुला ॥
जागत है गोछ अबा राजा मालसाई ।
राजुलकौ ध्याना आय रुधन मचाई ।
थालिम भोजन देखी चिट्टी लै सिराण ।
तस्वीरा देखी बेरा उड़नी पराण ॥
सारो चिट्टी पड़ा जबा उठीगो जहरा ।
महैड़ी कै पूजी गेछा च्यलैकी खबरा ॥
पागला है गोछा कनी राजा मालसाई ।
ठयका जसा सिर मजा आनण है गई ॥

धरमा दे पूजी गेछा मालसाई पासा ।
क्या हैगोछा तिकै च्यला बात बता खासा ॥
राजुला यां ऐछा इजा चिट्टी लिखी गेछा ।
मकणी उ अबा इजा कसीका मिलीछा ॥
क्या हैगोछा तिकै च्यला कसी कछै बात ।
भोटकी यां कसो आली तिरिया की जात ॥
नौ लाखा कत्यूर लिबै जब भोट जूला ।
भोट जितो बेरा इजा राजुला ब्यहूला ॥
मालसाई हाल देखी मां कैछा सवाल ।
क्य हणी बुलाछैं च्यला ज्यौन जिया काल ॥
निजा च्यला भोट देशा हूट करी बेरा ।
क्वे नि आय भोट बटी ज्यौनै लौटी बेरा ॥
जादू का पढ़िया हनी वोती मारी दिनी ।
उनरा सामणा मजी कैंकी निचली ॥
मानी जा तू कोय च्यला नजा भोट हणी ।
राजुला है भली वाना खोजुला ब्यहणी ॥
सुण म्यरा मालसाई मान मेरी बात ।
तिकणी दिखूला च्यला सेणै की स्योराम ॥
ऊ म्यला में आनी च्यला आठ पट्टी सैणी ।
भलो जो द्यखलै च्यला बतये मकणी ॥
त्यर ब्या मैं करी द्यौला फिरी देखी जाली ।
छांटी लिये म्यर च्यला राजुला है भली ॥

Scanned by CamScanner

वीक बाद द्वारासाट साल्दे म्यला जूला ।
भली भली बाना वोती त्यहणी खोजूला ॥
सोमनाथ हल च्यला गाँधी का गींवाड़ा ।
नोवक दशरा च्यला हिटिए दवड़ा ॥
मन कसी बान च्यला वोती खोजी लिए ।
घर आवै उनी नामा राजूला धरिए ॥
जतू म्यला हनी च्यला सवता दिखूला ।
जस हल देखी जाल त्यरा व्या करूला ॥
यस समझाय मां लै मालसाई ज्वा ।
जिद करी मालसाई बाता कुछा तब ॥
मैंता नि मानून इजा तेरी एक बात ।
जस हल भुगुतुला राजुला परसाता ॥
सुख म्यरा च्यला कैछा निकना गुमाना ।
नि रहौय आज तंका कैको अभिमाना ॥
लंका पति रावण छी कस बलवाना ।
नष्ट हैई गोय च्यला उलकी निधाना ॥
तिकणी बतानू च्यला करिये विश्वासा ।
कतू वारा बीले च्यला हिलै दी कैलाशा ॥
सुनकी छी लंका वीकी सुनका महला ।
इन्द्रजीत जसा छिया रावण का च्यला ॥
सीता जी कारण च्यला बिगड़ी गे बात ।
सारै सुणै लंका मजि पड़ि गेई रात ॥

सीता जी कारण वीक एक लैं निरय ।
सारै सुनैं लका जली आफी मरी गोय ॥
कीचक राक्षस छीया बड़े बलवाना ।
द्रोपदी कारण वींकी नहै गेयीं ज्याना ॥
सासु को ता निरै च्यला हमता क्या हया ।
नजा च्यला भोट देश मानी जा तू कया ॥
सेणीयूका फन्दा मजा जो मैंसा पढ़लौ ।
एक दिन जरूरा ऊ ध्वक खाई जालौ ॥
मानी जा तू म्यरा च्यला नजा भोट हणी ।
क्य करली अवता य तेरी बैली सैणी ॥
घर बार त्यरा च्यला इतरा छौ राज ।
रंगीला बैराठा कणि न उजाण आज ॥
भोट मजा त्वीलै च्यला बड़े दुख पाणा ।
खेल निछा भोट बटी राजुल जितण ॥
निमानून मालसाई मां की एक बात ।
सवता करणी हयी ईश्वरा का हात ॥
मालसाई पुजी गोछा कत्यूरों का पासा ।
दवड़ा हिटलीं कवै करी रैछा आस ॥
कत्यूरता भोट हणी मंजूर निहाना ।
बिखिल उ भोट देशा हमता नि जना ॥
गुस्सा हैवे मालसाई गोय गुरू घरा ।
पकड़ुछा मालसाई ढोल बिजै सारा ॥

Scanned by CamScanner

ढोल तब बाजी गोछा आ गेछा आवाज ।
सब लै कत्यूर आगी छोड़ी काम काज ॥
ढोल की आवाज गेयी बैराठ तमान ।
नाचण भै गयां तुम कत्यूर नमान ॥
क्य विपता पड़ी गेछा बैराठा तमान ।
किलैकता आयी हली ढोल को आवाज ॥
उठीगो जहरा जवे छलागा लगानी ।
रंगीला बैराठा मजा को ए गोछ कनी ॥
जौ जै रछी जंती काय सब आयी गया ।
कत्यूरा गुरुका घर जम हई गया ॥
ढोल पर शक्ति छिया सब आई गया ।
भोट जणा लिजि सब मंजूर है गया ॥
बुलै हैचा नाई तब सिर लै मुड़ानी ।
नौ लाखा कत्यूरा तब जोगी बनी जानी ॥
भाचौ हाली कड़े तब चिमटा बनाया ।
तौला भाची वेर तब कुन्डला बनाया ॥
चलना कत्यूरा तब कान लै फाड़नी ।
रंगीला बैराठा मजा अलख जगानी ॥
क्षत्री वंशी रजा छियो जोगी बनी गया ।
राजुला कारण आज भोट देश गया ॥
नि कण गुमान भाई धरि लिया ध्यान ।
मालसाई मन मजा यस आय ज्ञान ॥

आनू कि नि आनू ज्याणि भोट बटी घर ।
म्यर लै दघड़ा गया नौ लाख कत्यूर ॥
भोट देश जाण लारू नाच देखी जुला ।
बुलावो विजना कणी गोत सुणी जूला ॥
को ज्याणी सकुला कय क्य हेछा पछिना ।
भोट जीती बटी ल्याणी आयुछा कैदिना ॥
येसी वाता सुणी जब मालसाई रणि लै ।
यू ता गया भोट हणी याँ क्य कणी मैंलै ॥
बैठ गे कुमनी तब मनमा विचार ।
कससेणा राणी नागे विजन का घेरा ॥
विजनै है वाता कैंछा धरि लिया ध्यान ।
मालसाई वर द्यलौ तिकणी निधाना ॥
तै बखता मांगी लिया तुम लै मकणी ।
मकणि दिदियो कया कमसेणा रानी ॥
तबता विजना कुछ यस कसी हल ।
मालसाई तै बखत वीती मारो द्यल ॥
मैंलै नि मांगण कुछा यस बर बोली ।
तुमुलैता करी दिया वाता अण होती ॥
कमसेणा राणी कैंछा सुण मेरी वात ।
विजनै लै कैंछा कुला म्यहां बुरी बात ॥
यात मैंकें मांगी लिये नतरा देखलैं ।
म्यरा फन्दों बटी आज कसीका बचलै ॥

Scanned by CamScanner

विजना आगोछा तब नच्याण लि बेरा ।
सबू दिल खुशी हैगो नाच देखी बेरा ।।
मांग रै विजना कय मन कस बर ।
ज्याणी कब आनू हम भोट बटी घर ।।
पैल मांगी विजना ली तीन लै वचन ।
पछिना कमसैणा राणी मांगुछा विजना ।।
मालसाई तै बखता टूटि गे कमर ।
विजनै लै करी दियो आज यां अन्धेर ।।
राणी की करतूत छा य बामणै लें कय ।
मालसाई कणि तब सबुलै समझाय ।।
मालसाई मन मजा करूछा विचार ।
घरै बटी देखीं गेछा हमरो यौ हार ।।
घरै की जो राणी छिया उलै गोयू हारी ।
ज्याणी यो खोपड़ी अब आघिला क्यकरी ।।
देखी जाल जस हल राजुला कारण ।
चाहे भोट मरी जूला नि छोड़ू परण ।।
चलना कत्यूरा तब बट्ट लागी गया ।
कानू का कुण्डल तब हिलाण लै गया ।।
गज का चिमटा तब हाथ लै थामनी ।
नौ लाख कत्यूर सब अलख जगानी ।।
जै जिया जै गुरु कनी नौ लाख कत्यूर ।
पदुवा दर्याव गोय भारी सूर बीर ।।

राजुला कारण आजा वैराठा छोड़ना ।
क्षत्री वंशी रजा अब अलख जगानी ।।
कत्यूरों की फौज न्हैगे महरु का कोट ।
महरु का दिल मज लागी गेछ चोट ।।
कत्यूरु का जाण मज उड़ी गोछ रेत ।
लछ गछा मेहरता है गयी सचेत ।।
क्य बात है गेछा आज कां वै उड़ी धूल ।
को ऐ रोछा फौज लिवै सब मारी भूल ।।
लछ गछ महरता है गया तैयार ।
साब भाई घ्वड़ मजा है गया सवार ।।
महरु का कोट पूजा चलना कत्यूरु ।
महरु पै बिगड़ी गो बगैर कसूर ।।
मार काट मची गेछ द्वि दखू बीचमा ।
क्षत्री वंशो च्यला छिया पड़ी गो रणम ।।
भरी गयी गुस्सा मजा हैगे मार मार ।
खूनै कोंता गंगा बगी लाशों की दीवार ।।
चलना कत्यूरु कणी उठी रै जहरा ।
कत्यूरु दघड़ अब निपड़नी पारा ।।
सब मारा वेर तब बनाय मैदान ।
बट्टा लागो गया तब कत्यूरा नमाना ।
सात भाई लछा गछा सब मारो हाली ।
महरु को कुड़ी कणी करी गया खाली ।।

Scanned by CamScanner

चलना कत्यूर गया भटकोट डना ।
कउवका च्यलों कणी मारी गो उपना ॥
छिण पंणी लुतलेख गया सुमेश्वरा ।
कोस्याणी क खोल छोड़ी लाग बागेश्वर ॥
कठैती की बाड़ी गया सरयू है पारा ।
जूहार खनकर छट लाग मुनस्यार ॥
नौ लाख कत्यूरा बूजा घिनड़ी का खेता ।
लागी गोछ भोटकनी है जावो सचेता ॥
गुरूलैं मतरा मारा बनाया घिनौड़ा ।
नौं लाखा कत्यूर तब आकाश में उड़ा ॥
घिनड़ीक खेत है रौ नी ढक घाम ।
खबरा पहुंचा गेछा सुनपत पासा ॥
सुनपत सौक तवा है गेछा तैयार ।
गुरू कणी बुले बेरा मारदी मंतरा ॥
कत्यूर घिनड़ा छीया सौक बना बाजा ।
जादू की लैं मार हैरे द्वियें दलौ मजा ॥
बाज देखी गुरू तबा जादू लैं मारी ।
नौ लाख घिनड़ कणी विराव बनानी ॥
गुरू गुरू मज हैरे जादू की लैं मार ।
बड़ौ युद्ध हई रौछा है रे हा हा कार ॥
येतुका बीचम तब मालसाई खास ।
घुगुत बनाई भेजौ राजुला क पास ॥

घुगुत पहुंची गोछा राजुला का द्वारा ।
तबा लागी गेछा भाई राजुला नजरा ॥
सुण सखी यो घुगुत को देशकौ हलौ ।
येतुका सुन्दर रंग मिकणी खै द्यलै ॥
तू यकणी देखि रयें मैं पिंजरा ल्यानू ।
सुनका पिंजरा मजा इकणि पालनु ॥
राजुला भितेरा गेई बिरावौ छी भ्यारा ।
घुगुतौ पकड़ौ दीलै बनाय सिकारा ॥
सखी लै किलकारी मारी राजुला लै सुणी ।
बिरवैलै मारी हाचा यो घुगुतै कणी ॥
भ्यार आई बेरा तबा आंसू लै ढाईछा ।
बिरदा का मुख बटी घुगुत छुटैछा ॥
कतीक जनम त्यर कां आये मरण ।
ज्याणी येती आछिये तू क्य बाता कारण ॥
घुगुतै कैं देखौ बेरा सपना मचैछा ।
मरिया घुगुतै कणी पिंजरा धरीछा ॥
फूलू का पेड़मा कैंछा पिंजरा टाँकूला ।
राती ब्याल फूलु कणी पाणी दिण ऊंला ॥
उड़ी गोछा हंसा तबा पड़ी रैछा लासा ।
सुपना [illegible] गोछा गुरु [illegible] का पासा ॥
मारी गोयू गुरु जी मैं राजुला का द्वारा ।
[illegible] ॥
सुनका पिंजरा [illegible]

Scanned by CamScanner

गुरू जी की नीन खुली उज्याव है वेरा ।
एक लै कत्युरा भेजा बाज बनै वेरा ॥
पिंजरा तू उठै लिए डर भन खये ।
रुकणों की काम निछा वेरे लौटी अये ॥
बाज बनी नसी गोछा पिंजर उठाय ।
घुगुती समेंत लिवै गुरू पासा आय ॥
पड़नी मंतर गुरू जीविता बनानी ।
नौ लाखा कत्यूरा सवा खुशी हुई जानी ॥
फिरी मालसाई कणी बनाय फकीरा ।
भोट हणी नसी गोछा, क्षत्री वंशी वीरा ॥
राजुला का द्वारा परा अलख जगाई ।
भिक्षा दिण जोगी कणी तबा सखी आई ॥
नि ल्यनू मैं कोरी भिक्षा चाहे कुछ करा ।
राजुला कुमारी कणी भेजी दे तू भ्यारा ॥
कुंवारी चेलीक हाता मिलै भिक्षा पाणी ।
नतरा सराप दिनू आज तुमु कणी ॥
लाचार है वेरा सखी नसीगे भितेरा ।
सरापा दि जानू कोछा गुस्सम है वेरा ॥
दि आ तू राजुला कय भिक्षा साधू कणी ।
नतरा फिटकार द्यल आज हमू कणी ॥
[illegible] राजुला तबा भितेरा वै भ्यारा ।
[illegible] जबा साधू हाता परा ॥

नि लिनू मैं कोरी भिक्षा कती यो पकाणौ ।
दया जैं करछा जवा, भोजना खिलाणौ ॥
क्य करीछा राजुलता, है गेछा उदासा ।
कसीका भेजनू अक्का, साधू कै वापसा ॥
भोजन बनाया तवा भ्यार वैं बुलाय ।
साधू जी भोजन करो राजुला लै कय ॥
सिद्ध महातमा कनी, सेवा पूरी करौ ।
पैली धुणी खुटा म्यरा पैं भोजना धरौ ॥
येतु मैं राजुला कैछा, यो कसीक हलौ ।
पतिव्रता धर्म म्यर, सब डूबीं जालौ ॥
सिद्ध महातमा कनी, मैंता नि जाणनू ।
या धुलाली खुट म्यारा, या सरापा दीनू ॥
राजुला कैं हैई गेछा आपणीं फिकरा ।
खुट धुनु पति धर्म है जांछ बेकार ॥
पाणी क लोटिया लियो, दूर वै फैंकिछा ।
पाणी का डालणा मजा खुट चुमकैछा ॥
राजुलता मन मजा, करीछा विचार ।
साधु निछा महातमा छा राजकुमार ॥
पच्याणी गी दिया भ्रण खुशी हई गई ।
खुशी खुशी राजुला लै द्विया खुट ध्वयी ॥
एक थाली मजा कनो दगड़ै भोजना ।
खुशी लैता भरी रौछा दिया भ्रणु मना ॥

Scanned by CamScanner

हिट मेरी राजुला तू अब नसी जुला ।
घिनड़ी खेतम फिरी आरामा करूला ॥
द्विया झण नहै गया घिनोड़ी खेतमा ।
खल बली मची गेछा राज महलमा ॥
चोरी गे राजुला कनीं कत्युर लि गया ।
भोटियू का गुरू तबा तैयार है गया ॥
भोटियों का गुरु तब जादू लै मारनी ।
जतूका भोटिया छिया सरप बननी ॥
कत्युरु का गुरु जबा यु हाला देखनी ।
नौ लाखा कत्युरु कणी नेबला बनानी ॥
मारा काटा मची गो द्विनू का बीचमा ।
जंग छिड़ी रैछा रामा गिनड़ो खेतमा ॥
घबड़ाई बेर भोटी अग्नि बरसानी ।
नौ लाखा नेबला तबा जलण भै जानी ॥
कत्युरु का गुरु तबा बारिश बर्षानी ।
सौणा भादौं कसी भाई झड़ी लगै दिनी ॥
जादू को लै मारा है रै बड़ी जोरा ।
सारा भोटा मजा भाई मची गोछा सोरा ॥
भोटियू लै आकाश में धुवा लै फैलाय ।
कत्युरु का गुरु जी लै तूफाना चलाय ॥
चलो गेछा आँधी तथा हैगे हाहा कार ।
कत्युरु दघड़ हैगै भोटियु की हारा ॥

जीती गया अबा कनी तुमु लै राजुला ।
विधि विधान लै अबा ब्याहा करी चूला ॥
एक दिना रुकी जावो आरामा कराला ।
भितुरा है गया अबा भोजना करला ॥
येतु मजा पदु कुछा मैंता अब जानू ।
भैंस भ्यरा भूके हैंल अब नि रुकनू ॥
पदुवता घर आय कत्यूरा लै उती ।
हरी भगवाना सबा देई दिनी मती ॥
बैठीगे कुमंतो तबा वीती रुकी जानी ।
सौक ले कत्युरु हणी लगड़ा पकानी ॥
नौ डाली लगड़ा बना आधुका बिषका ।
कत्यूरा दगड़ा भाई यस कनी ध्वका ॥
नौ डाली लगड़ा ल्यया कत्यूर का पासा ।
भोटयुक कत्युरुकै नि आना विश्वासा ॥
क्षत्री बंशी च्यला छिया अजमैसा कनी ।
एक पूरी उठै बेरा कुकुरै के दिना ॥
किसमत बिगड़ी गे तब कत्यूर की ।
कुकुरै कै पूरी नैं गे बिगर बिषकी ॥
तब कनी के निय हय य कुकुरै कणी ।
को ज्याणी सकछा रामा ईश्वरै करणी ॥
राजुला समेत बैठा करनी भोजना ।
कसी माया रची रेछा ईश्वरा भगवाना ॥

Scanned by CamScanner

नौलाखा कत्यूर कणी विप लागी गोछा ।
हंसी उड़ो गोछा रामा लाश पड़ी रैछा ॥
भोट रहै गया आज राजुला कारण ।
हरे रामा हरे शिवा उड़नी पराण ॥
कामयाब हई गया भोटयु की चाल ।
कत्यूरु दघड़ भाई बुरौ रचौ जाल ॥
खुंशी हई गया तवा भोटिया तमांन ।
कनी सोंची घर बटो क्या हय निधान ॥
ज्यान जिया रजा छिया रंगीली वैराठ ।
आज दुनिया मा कनी सवा पूज पाठ ॥
धन धन तुम देवा धन छा महिमा ।
अमरा है गोछा नाम आज दुनिया मां ॥
तुमु कणी पूजा दिनी देवता समान ।
गरीबू पै दया कण य तुमर काम ॥
तुमरी लैं पूजा हैचा घरु घरु आज ।
जाकणी विपता पड़ो करनी अरज ॥
अबा सुणी लिछा तुम गरीबु पुकार ।
दयाल हैं जया तुम नौ लाख कत्यूर ॥
रोज जय जय कारा रैंजो, तुमर दरबारां ।
दुनियमा नाम रैंजो, धरती की चारा ॥
पति धरी दिया, ईश्वर भगवाना ।
गरीब छु लोंग हम, मूरख अज्ञान ॥

य किताबा मजा लेखी, तुमरा ध्यान ।
तुमरा शरण छू मैं, धरी दिया ध्यान ॥
नौ लाखा कत्यूरा तुम, दयाला है जया ।
पढ़नेरा सुण नेरा, अमर छी काया ॥
धन धन हरी तुम, धन तेरी माया ।
कसा कसा खेल स्वामी, तुमुलै रचाया ॥
गरीबु की पति प्रभु, तुमुलै धरणो ।
तुमरा छा हाता स्वामी, सब लै करणी ॥
थोड़ा बाता भाई लोगों, लेखनू अपण ।
भलौ बुरौ जसौ लेखौ, नक नी मानण ॥
सुणौ म्यरा माई बन्दों सर्व श्री मान ।
गरीबों को च्यल छू मैं, मूरख अज्ञान ॥
सुणौ सब भाई बन्धों, मैं हाता जोड़नू ।
जो कूछा गल्तीयां हली, माफी मैं मांगनु ॥
बागगिरि नामा म्यर, अमरौली गामा ।
पट्टी पल्ला तया मेरी, अल्मोड़ा जिलमा ॥
भौता साला बटी भाई, परदेश रनु ।
दिल्ली मजा प्राइवेटा, कामा मैं करनु ॥
गरीबी कारण भाई छोड़ौ घर बारा ।
घर याद आई जाछा वार व त्यौहारा ॥
बोज्यु छी मोहन गिरो अमरौली वासा ।
सन साठ फरवरी हया स्वर्ग वासा ॥

Scanned by CamScanner

तेर साला हनी अबा, बौज्यु मरी गया ।
अमा बुबु तबा भाई, म्यर ज्यौन हया ॥
को ज्याणी सकुछा भाई, करमें खिचड़ी ।
जथां जाण भाई बन्धों, करमा दगड़ी ॥
अमा बुबू पर लोगों, बुढ़ापी को कान ।
दुख सुख कैका कैला, कसीक निजान ॥
येनु बात लेखी दिनु पत लै आपण ।
नक भल जस छा य नक नि मानेण ॥
सब भाई बैणि हणि, हाता जोड़ी म्यरा ।
पढ़नेरा सुण नेरा, हैं जया अमरा ॥

॥ समाप्त ॥

हर प्रकार की धार्मिक, कर्मकाण्ड, पूजा पाठ, ज्योतिष, किस्से, कहानियाँ, उपन्यास, वैद्यक, नाटक, संगीत, टैक्नीकल, इण्ड्रस्टियल, कुमाउंनी, गढ़वाली, नेपाली गीत, नये साल की डायरियां व जन्त्रियाँ, कलेण्डर, पं० रामदत्त व भास्कर पंचांग व कृत सम्बन्धी कागियाँ व समस्त स्टेशनरी मिलने का एकमात्र स्थान :

ठा० आनसिंह हरीसिंह एन्ड सन्स

लाला बाजार, अल्मोड़ा

कमाऊँनी साहित्य मुद्रक, बाजार सीता राम दिल्ली-६

Scanned by CamScanner